Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, Impact Factor: 6.280, Volume 12, No. 01, January-March 2022, pp. 255-259

भारत में केबल टेलीविजन का बदलता दौर और समाज पर उसका प्रभावः एक अध्ययन

Ms. Pooja Singh*
Dr. Rahul Kushwaha**

सार

भारतीय समाज में पिछले दस–बारह वर्षों में केबल टेलीविजन की वजह से अनेक परिवर्तन आए हैं। रंगीन टेलीविजन पर जब से लोगों ने अनेक टी.वी. चौनलों पर विभिन्न कार्यक्रम देखने में अधिक रूचि दिखाई है, तब से इसका भारतीय संस्कृति पर प्रभाव निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है।टेलीविजन हमें उपयोगी जानकारी, शिक्षा के विभिन्न रूप और मनोरंजन प्रदान करता है जो हमारे समाज पर टेलीविजन के सकारात्मक प्रभावों का एक हिस्सा हैं। दैनिक जीवन में, केबल टेलीविजन हमें बहुत सी उपयोगी सूचनाओं से अवगत कराता रहताहै जो हमारे दैनिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं। केबल संस्कृति से भारतीय समाज में आधुनिकता और पाश्चात्य संस्कृ ति के प्रति आकर्षण बढ़ा है। भारतीय संस्कृति पर इसके सकारात्मक प्रभावों के साथ ही कुछ दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। देश के बड़े शहरों में युवावर्ग अपनी भाषा, वेशभूषा और अपना खान–पान आदि सब कुछ भूलता जा रहा है तथा पाश्चात्य संस्कृति को अपना रहा है। समाज में व्यक्ति आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है। लोग टेलीविजन पर विभिन्न कार्यक्रम देखने में इतने व्यस्त रहते हैं कि उनकी दुनिया केबल टेलीविजन तक सीमित हो गई है। बच्चे तथा किशोर भी टेलीविजन के कार्यक्रम घंटो तक देखते रहते हैं जिससे उनकी शिक्षा और स्वास्थय पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। बच्चों तथा किशारों में भी स्वच्छन्दता की प्रवृति बढ़ती जा रही है। भारत में 1990 के दशक तक मनोरंजन और खबर पाने का एकमात्र जरिया दूरदर्शन था, जहां लोग समाचार, किसानों से जुड़ीं खबरें, परिवार नियोजन से जुड़ीं बातें, फिल्म–गाने और खेल से जुड़ी खबरें पाते थे। साल 1991 तक भारत में 7 करोड़ से ज्यादा घरों में टीवी लग चुका था। उसी समय केंद्र की नरसिंह राव सरकार द्वारा वैश्वीकरण पर जोर देने और अर्थव्यवस्था को नए आयाम देने की कोशिशों के तहत भारत के रास्ते दुनिया के लिए खोल दिए गए। इसके बाद लोगों के मनोरंजन के साधनों में भी क्रांति आई और इस तरह भारत में वर्ष 1992 में केबल टीवी की शुरुआत हुई। केबल टीवी आते ही भारत में पांच नए चौनल शुरू हुए, जिनमें एमटीवी, स्टार प्लस, स्टार मूवीज, बीबीसी और प्राइम स्पोर्ट थे। इसके बाद भारत का पहला प्राइवेट टीवी चौनल जी टीवी भी शुरू हुआ। बाद में दक्षिण भारत से सन टीवी की शुरुआत हुई। साल 2010 आते–आते भारत में 500 से ज्यादा सैटलाइट चौनल आ गए, जिनके जरिये लोग स्थानीय समाचार, गाने और फिल्में देखने लगे।

शब्दकोशः *डिजिटल, केबल टेलीविजन, डीटीएच, ओटीटी प्लैटफॉर्म, केबल ऑपरेटर, चुनौतियाँ, टीवी चौनल।*

प्रस्तावना

समय बदलने के साथ ही इंटरनेट का चलन बढ़ने और आसानी से घर बैठे नई फिल्में देखने की ललक से भारतवासी भी अछूते नहीं रहे और फिर जमाना आया ओटीटी प्लैटफॉर्म्स का। ओटीटी यानी ओवर द

* Research Scholar, Jaipur National University, Jaipur, Rajasthan, India.
** Research Supervisor & Professor, School of Media Studies, Jaipur National University, Jaipur, Rajasthan, India.

टॉप, जिसे आसान शब्दों में समझें तो मनोरंजन का डिजिटल साधन, जिसे आप टीवी में कनेक्ट करके, मोबाइल और टैब, लैपटॉप में भी देख सकते हैं। यह सर्विस केबल टीवी की तरह ही सब्सक्रिप्शन बेस्ड है, जिसमें आप एक निश्चित धनराशि चुकाते और सेवा लेते हैं। यह मासिक, त्रैमासिक, छमाही या सालाना होता है। दरअसल, लोगों में ओटीटी प्लैटफॉर्म की स्वीकार्यता इसलिए भी बढ़ी, क्योंकि उनके लिए यह ज्यादा खर्चीला नहीं लगा, क्योंकि पहले भी तो वह टाटा स्काई, एयरटेल, डीटीएच समेत अन्य केबल ऑपरेटर्स को एक निश्चित राशि चुकाकर सेवा लेते थे। आपको बता दूं कि भारत चीन के बाद दूसरा ऐसा देश है, जहां लोग पैसे देकर मनोरंजन के लिए सब्सक्रिप्शन लेते हैं। केबल टीवी से ओटीटी की तरफ शिफ्ट करने का सबसे बड़ा कारण ये है कि ओटीटी प्लैटफॉर्म्स पर भी आप सीरियल, फिल्में और वेब सीरीज देख सकते हैं, वो भी बिना विज्ञापन के। वहीं केबल टीवी के जरिये दिखने वाले चौनल्स में ऐड्स की भरमार होती है। साथ ही कंटेंट को भी देखें तो ओटीटी प्लैटफॉर्म्स का दायरा काफी बड़ा है। आप साउथ अमेरिका बेस्ड वेब सीरीज नारकोस भी देख लेते हैं और चीन में शूट मारको पोलो भी। वहीं भारत में बनी सीक्रेड गेम्स, मिर्जापुर, द फैमिली मैन के साथ ही आश्रम भी। साथ ही यह ऐड फ्री है। यहां तक कि अब तो लगभग सभी प्रमुख टीवी चौनल्स ने ओटीटी प्लैटफॉर्म पर दस्तक दे दी है, ऐसे में दर्शक जी5, ऑल्ट बालाजी, वूट समेत अन्य डिजिटल प्लैटफॉर्म पर ऐड फ्री टीवी सीरियल्स और वेब सीरीज के साथ ही नई फिल्में भी देख सकते हैं।

साहित्य समीक्षा

ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल के डेटा से पता चलता है कि भारत में 210 मिलियन परिवारों के पास 2020 में एक टेलीविजन सेट था। यह 2018 से 6.9 प्रतिशत की वृद्धि है, जब 197 मिलियन टीवी घर थे। लेकिन भारत में केबल घरों की संख्या 115 मिलियन से गिरकर 100 मिलियन हो गई है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ब्रेप्स् की एक रिपोर्ट के अनुसार, नए टैरिफ ऑर्डर के लागू होने के बाद केबल टीवी सब्सक्राइबर शिफ्ट होने के कारण FY20 में DTH सब्सक्राइबर बेस में काफी वृद्धि हुई है। ऐसा इसलिए था क्योंकि केबल ऑपरेटर एकीकरण और रोल–आउट चुनौतियों से जूझ रहे थे। 2020 के अंत में, भारत में लगभग 70 मिलियन डीटीएच ग्राहक थे। यह डीडी फ्री डिश के अतिरिक्त है, जिसके 40 मिलियन ग्राहकों को पार करने का अनुमान है। दूसरी ओर, कुल टेलीविजन ग्राहकों में केबल की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2015 में 63 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2020 में 43 प्रतिशत हो गई है। मूल्य निर्धारण समता के कारण केबल टीवी टैरिफ में 30–35 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे डीटीएच पर मिलने वाले मूल्य लाभ में कमी आई। इसका मतलब यह भी था कि डीटीएच और केबल टीवी के प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व तेजी से परिवर्तित हो रहा है। मीडिया पार्टनर्स एशिया के उपाध्यक्ष मिहिर शाह ने हमारे स्तंभकार वनिता कोहली–कांदेहकर से कहा कि ''एक स्टैंडअलोन वीडियो सेवा के रूप में केबल एक संरचनात्मक गिरावट पर है''। किसी भी बड़े विदेशी निवेशक ने इस क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया है, हालांकि 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति है।

वनिता कोहली–खंडेलकर ने अपने लेख 'केबल टीवी डिजिटाइजेशन ओपन्स होस्ट ऑफ द अवसरों' में कहा कि डिजिटलीकरण वैश्विक निवेशकों और भारतीय कंपनियों को अवसर प्रदान करेगा। अन्य चीजों के अलावा, एनालिटिक्स, रिसर्च, एप्लिकेशन, साउंड सिस्टम में सुधार या केबल कंपनियों के लिए प्रबंधित बिलिंग और सेवाओं जैसे विविध क्षेत्रों में अवसर हो सकते हैं।

समाज पर केबल टीवी का सकारात्मक प्रभाव

नई जानकारी प्रदान करें: आज केबल टीवी सूचनाओं का भंडार है। यह हमें राष्ट्र, विश्व, विज्ञान, वित्त और खेल आदि के बारे में जानकारी देता है। बच्चों के लिए चौनल हैं जैसे सीएन, पोगो आदि जो हमारे बच्चों का मनोरंजन करते हैं। कुछ चौनल सूचनात्मक हैं उदाहरण के लिए न्यूज चौनल, डिस्कवरी, नेशनल ज्योग्राफिक आदि। इन चौनलों को देखकर हम मूल्यवान भौगोलिक एवं ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। आज हम अपने टेलीविजन पर सेंसेक्स और व्यवसाय से संबंधित अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ चौनल केवल

दर्शकों के मनोरंजन के लिए होते हैं जहां वे फिल्में और गाने देख सकते हैं। टीवी लोगों में जागरूकता फैलाने में भी मदद करता है। जिससे दहेज प्रथा, बाल विवाह आदि में कमी आती है। टीवी से लोगों को जानकारी मिलती है कि ये सभी प्रथाएं कानूनी अपराध हैं। टीवी ने समाज में शिक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने में भी मदद की। आजकल लोग अपने बच्चों के लिए शिक्षा के महत्व को समझते हैं। टीवी स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित जानकारी का प्रसार करता है, जो बदले में पोलियो रोगी, टीबी रोगी और देश की जनसंख्या में कमी लाने में मदद करता है। आज लोगों को टीवी से बीमारियों और उसके कारणों की जानकारी मिल रही है। टीवी के जरिए लोगों के बीच योग भी लोकप्रिय हुआ है। अब लोग टीवी के माध्यम से योग के विभिन्न आसनों को देख सकते हैं और घर पर अभ्यास कर सकते हैं। कुछ कार्यक्रम हैं जो स्वस्थ और फिट रहने के लिए उचित आहार से संबंधित जानकारी देते हैं।

टीवी नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने में भी मदद करता है। आज टीवी पर सैकड़ों रियलिटी शो हैं, जहां कोई भी लाखों लोगों के सामने अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। बहुत सारे गायन और नृत्य रियलिटी शो हैं, जहां बच्चे और युवा भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। संस्कृति के वैश्वीकरण में भी केबल टीवी का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

केबल टीवी के नकारात्मक प्रभाव

जिस प्रकार टेलीविजन का हमारे समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, उसी प्रकार इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी होते हैं। ज्यादा टीवी देखने से बच्चों की एकाग्रता में कमी आती है। वे कई घंटों तक टीवी देखते हैं, इसलिए विकिरणों के उत्सर्जन के कारण आंखों और दिमाग पर लगातार प्रभाव पड़ता है। आजकल बच्चे कुछ टेलीविजन कार्यक्रम देखकर अधिक आक्रामक हो गए हैं, जिसके कारण वे कभी–कभी अवैध गतिविधियों में लिप्त हो जाते हैं। आज के युवा पाश्चात्य संस्कृति से अधिक प्रभावित हैं। इनके बीच फैशन तेजी से बढ़ रहा है। वे अपनी वित्तीय क्षमताओं के बजाय अपने पसंदीदा फिल्म अभिनेता या अभिनेत्री की तरह दिखना चाहते हैं। कभी–कभी वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गलत गतिविधियों में लिप्त हो जाते हैं। यह बदले में हमारे समाज में अपराध में वृद्धि की ओर जाता है।

टीवी ने लोगों के खान–पान पर भी असर डाला है। वे टीवी पर फिल्म अभिनेता या अभिनेत्रियों को कोल्ड ड्रिंक, जंक फूड का विज्ञापन करते हुए देखते हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि यह सब करने में कुछ भी गलत नहीं है। जिसके कारण जंक फूड के प्रति इनका आकर्षण अधिक होता है। टीवी के कारण हमारे नैतिक मूल्यों का नुकसान होता है। कुछ चौनल ऐसे कार्यक्रम दिखाते हैं जो अश्लीलता से भरे होते हैं। इन कार्यक्रमों ने हमारी संस्कृति और नैतिक मूल्यों को कलंकित किया है। टीवी की वजह से लोगों का दूसरे से संपर्क कम हुआ है। अब लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ बातचीत करने के बजाय अपने खाली समय में टीवी देखना अधिक पसंद करते हैं।

केबल टेलीविजन की बदलता दौर

अब केबल टीवी के साथ ही लोग Amazon Fire Stick और Airtel X stream, Jio Fiber, Apple TV, Google Chromecast, Raspberry PI, NVIDIA Shield TV, समेत अन्य मीडिया स्ट्रीमिंग डिवाइस का धड़ल्ले से इस्तेमाल करने लगे हैं, जिसपर वे आसानी ने सबकुछ देख पा रहे हैं। हालांकि इन डिवाइस को यूज करने के लिए इंटरनेट जरूरी है। चूंकि इंटरनेट तक पहुंच आसान हो गई है और लोगों के पास डेटा की कमी नहीं है, ऐसे में छोटे बड़े महानगरों में इन मीडिया स्ट्रीमिंग डिवाइस की मांग बढ़ी है। हालांकि छोटे शहरों में इंटरनेट की पहुंच अभी भी सीमित है, इसलिए टीवी पर ओटीटी प्लैटफॉर्म्स देखने की स्वीकार्यता केबल टीवी जैसी नहीं हो पाई हैं। कुछ समय पहले तक जो लोग केबल टीवी की मदद से टीवी पर सीरियल्स या फिल्में देखा करते थे, वे अब टीवी में ऐमजॉन फायर स्टिक या अन्य मीडिया स्ट्रीमिंग डिवाइस लगाकर ओटीटी प्लैटफॉर्म पर वेब सीरीज या अन्य कंटेंट देख लेते हैं। बच्चे कार्टून चौनल देखने की जगह ओटीटी प्लैटफॉर्म के चिल्ड्रेन सेक्शन

में जाकर मनपंसद कार्टून सीरियल या फिल्म देख लेते हैं। ऐसे में केबल टीवी के अस्तित्व पर संकट आ गया है। हालांकि अभी ओटीटी प्लैटफॉर्म का दायरा छोटे शहरों या गांव तक उतना नहीं पहुंच पाया है, लेकिन आने वाले समय में इसका काफी विस्तार देखने को मिलेगा। ऐसे में लोगों को कम पैसे में आसानी से नेटफ्लिक्स, ऐमजॉन प्राइम, हॉटस्टार का सब्सक्रिप्शन मिल सकता है। फिलहाल जितने भी भारतीय ओटीटी प्लैटफॉर्म है, चाहे वह ऑल्ट बालाजी हो, जी5 हो या अन्य, इनका सब्सक्रिप्शन कॉस्ट ज्यादा नहीं है। टाइम्स ग्रुप का एमएक्स प्लेयर को हर किसी के लिए फ्री है। इसका कारण है कि इनके कंटेंट का दायरा सीमित है, लेकिन नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो का सब्सक्रिप्शन तुलनात्मक रूप से इसलिए महंगा है, क्योंकि इनके कंटेट विश्व स्तर के हैं।

केबल टीवी नेटवर्क की चुनौतियाँ

आने वाले समय में केबल टीवी को ओटीटी प्लैटफॉर्म से यकीनन काफी चुनौतियां मिलेंगी, क्योंकि अब टीवी मैन्यूफैक्चरर्स भी स्मार्ट टीवी बनाने पर ही जोर दे रहे हैं और ज्यादातर कंपनियों की कोशिश रहती है कि वह ओटीटी प्लैटफॉर्म इनबिल्ट टेलीविजन बनाएं। इसके लिए वह ऐमजॉन प्राइम, हॉटस्टार और नेटफ्लिक्स से करार कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में धीरे–धीरे केबल टीवी का अस्तित्व संकट में आ जाएगा। मान लीजिए, दर्शक केबल टीवी पर जी टीवी, स्टार प्लस या सोनी टीवी के सीरियल्स देखते हैं और ये सब अब उनको जी5, सोनी लिव और हॉटस्टार पर भी मिल रहा है, वो भी ऐड फ्री, तो ऐसे में दर्शकों का ध्यान धीरे–धीरे केबल टीवी से हटकर ओटीटी प्लैटफॉर्म की तरह शिफ्ट होता जा रहा है। आने वाले समय में नेटफ्लिक्स, ऐमजॉन प्राइम समेत सभी ओटीटी प्लैटफॉर्म अपनी सब्सक्रिप्शन फीस कम करेंगे और छोटे शहरों के साथ ही गांव तक पहुंच बनाने की कोशिश करते दिखेंगे, ऐसे में केबल टीवी को सोचना पड़ेगा।

भारत में केबल ऑपरेटर्स मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उनके लिए हर इलाके में नए हब की स्थापना निषेधात्मक रूप से महंगी है। रियल एस्टेट की लागत, सैटेलाइट डिश की लागत, नए स्थानीय रिंग नेटवर्क का बिछाने, सॉफ्टवेयर, चल रहे रखरखाव और उन्नयन लागत, और बहुत कुछ। लगभग एक दशक पहले 2013 में, जब सरकार ने केबल टीवी के डिजिटलीकरण को अनिवार्य कर दिया था, जो लोग नए सेट–टॉप बॉक्स पर खर्च नहीं करना चाहते थे, उन्होंने अपनी सदस्यता छोड़ दी थी। एक और झटका 2019 में आया जब दूरसंचार नियामक ट्राई के नए टैरिफ ऑर्डर ने चौनल चयन को जटिल बना दिया और कीमतें बढ़ा दीं। स्मार्ट–फोन, ओटीटी प्लेटफॉर्म और फ्री डिश जैसे बढ़ते विकल्पों के साथ, केबल ऑपरेटर्स अपना वर्चस्व बनाए रखने के नए तरीके तलाश रहे हैं। अब सस्ती इंटरनेट सेवाओं से टीवी चौनलों की स्ट्रीमिंग सेवाओं में धीरे–धीरे बदलाव दिखा रहा है। इसलिए, केबल कंपनियों को खुद को फिर से बनाने के लिए इंटरनेट कनेक्शन के आसपास उत्पादों का एक व्यापक सेट तैनात करना होगा। 2023 में टेलीविजन उद्योग का राजस्व सालाना सात प्रतिशत की दर से बढ़कर 84,700 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह केबल उद्योग को संबंधित सेवाएं प्रदान करके और पाई के अपने हिस्से को बढ़ाने के लिए घरों में खुद को और अधिक एम्बेड करने का अवसर प्रस्तुत करता है।

निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रासंगिक बने रहने के लिए केबल ऑपरेटरों को उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री के वितरण के माध्यम से अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए आधुनिक नेटवर्क स्थापित की आवश्यकता है। आधुनिक नेटवर्क अत्यधिक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करते हैं और संचालन में भी कुशल होते हैं। एक कुशल मॉडल उपग्रह सामग्री तक पहुँचने के लिए जोनल हब स्थापित करना और फिर उस हब को उच्च गति वाले फाइबर नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न शहरों और इलाकों से जोड़ना होगा। लास्ट माइल डिलीवरी तब प्रत्येक इलाके में प्रचलित नियमों के अनुरूप की जा सकती है। केबल ऑपरेटरों को फाइबर ऑप्टिक केबलिंग और अत्यधिक कुशल प्रसारण तकनीकों जैसे लेयर टू मल्टीकास्ट का उपयोग करना होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग। ''नेटफ्लिक्स, इंक. वार्षिक रिपोर्ट 2019।'' 14 मई, 2020 को एक्सेस किया गया।
2. कम्पैरीटेक। ''50 नेटफ्लिक्स आँकड़े और तथ्य आँकड़े जो कंपनी के प्रभुत्व को परिभाषित करते हैं ख्2020 संस्करण,।'' 14 मई, 2020 को एक्सेस किया गया।
3. विविधता। ''सबसे ज्यादा देखे जाने वाले टेलीविजन नेटवर्कः रैंकिंग 2019 के विजेता और हारने वाले।'' 14 मई, 2020 को एक्सेस किया गया।
4. कगार। ''द ग्रेट अनबंडलिंगः केबल टीवी जैसा कि हम जानते हैं कि यह मर रहा है।'' 14 मई, 2020 को एक्सेस किया गया।
5. नीलसन। ''पिछले चार वर्षों में, यू.एस. में केवल ब्रॉडबैंड घरों का प्रतिशत तीन गुना से अधिक हो गया है।'' 14 मई, 2020 को एक्सेस किया गया।
6. भट, आर. (2012)। भारत में टेलीविजनः डिजिटल स्विचओवर के लिए शुरुआती बिंदु।
7. Effect of TV on Society - India Study Channelhttps://www.indiastudychannel.com › resources › 90158-...
8. The New ...https://www.nytimes.com › upshot › social-effects-television
9. Cable TV https://www.barcindia.co.in
10. What explains the stagnation of the cable TV industry in India? https://www.business-standard.com › ...

♦❐♦